डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 256 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 30 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

लोडेड पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने बाइक सवार एक आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से आरोपी से पूछताछ कर रही है।

शहर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने मुखबीर सूचना पर प्रतापगढ़ रोड के निकट गोपाल कृष्ण गौशाला के सामने बाइक को रोक कर चालक को हिरासत में लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कमलसिंह पिता नवलसिंह सोंधिया उम्र 24 साल निवासी चौथखेडी थाना नारायणगढ़ का होना बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्टल और जिंदा राउंड बरामद किए गए। आरोपी अवैध हथियार कहां से लेकर आया था और उससे क्या करने वाला था, पुलिस यह पता लगा रही है। मामले में आरोपी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

चावल का हो रहा चूरा, गेहूं भी धूल भरा

राशन दुकानों पर इसलिए हो रही कालाबाजारी, लोग दुकान संचालक को ही बेच रहे अनाज

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। राशन दुकानों पर गरीबों के लिए आने वाले चावल और गेहूं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चावल हाथ लगाते ही चूरा हो रहा है तो गेहूं हाथ में लेने पर हाथों पर चिपकने वाली धूल गेहूं की गुणवत्ता को बयां कर रही है। राशन के चावल और गेहूं की कालाबाजारी की एक बड़ी वजह यह भी है। लोग राशन दुकान पर तो पहुंच रहे हैं। लेकिन, कम भाव में दुकान संचालक को ही गेहूं और चावल बेच रहे हैं। मतलब अपने हिस्से के गेहूं चावल के बदले रुपए ले रहे हैं। यही गेहूं-चावल बाजार में पहुंच रहा है। जिसे सार्टेक्स करने के बाद वही हितग्राही वापिस खरीद रहा है।

दुकानों पर पहुंचने से पहले ही अयोग्य का टैग...

गरीबों के लिए आने वाला राशन घटिया स्तर का आ रहा है। सरकारी गोदामों पर ही गेहूं में धूल मिल रही है तो चावल का चूरा हो रहा है। रिजेक्ट गेहूं गोदाम में पड़ा है। सरकारी गोदामों में रखा सरकारी गेहूं गुणवत्ता को बयां कर रहा है। जो गेहूं गरीबों के नाम का आ रहा है उसी में से कई कट्टे गोदामों में ही अत्यधिक खराब स्थिति होने के कारण दुकानों पर पहुंचने से पहले ही खाने के अयोग्य बता कर निकाल रहे है। कुछ दुकानों से तो शिकायत पर फिर गेहूं गोदाम भिजवाया गया। लेकिन, दुकानदारों का कहना है कि जो गेहूं या चावल आ रहा है वही तो हम वितरित कर रहे है। विडंबना तो यह है कि प्रशासनिक स्तर पर कभी भी इन स्थानों पर पहुंचकर इनकी कोई जांच नहीं कर रहा है।

ऐसे पड़ रहा भारी...

समर्थन मूल्य पर जिले में खरीदा जाने वाला गेहूं गोदामों में रखा है। यहां से बाहर भेजा जाएगा। इसके बाद राशन दुकानों के माध्यम से गरीब वर्ग के लिए अन्य जिलों से गेहूं यहां पहुंचेगा। इसमें से भी खराब और रिजेक्ट निकलने वाला गेहूं सरकारी गोदामों में संभालकर रखा जा रहा है। जिसे शासन स्तर पर ही टेंडर निकालने के बाद फिर यहां से परिवहन किया जाता है। कंपनी इसे साफ कर इसका उपयोग करती है। वर्तमान में कई कट्टे खराब गेहूं गोदाम में रखा हुआ हैं। ऐसे में गेहूं का परिवहन ही भारी पड़ रहा है और धूल के साथ कंकड़ व मिट्टी भी गोदामों से राशन दुकानों तक पहुंच रही है।

शिकायत पर बदलते खराब राशन ...

कुछ राशन दुकान संचालकों ने बताया कि जो राशन आता है। वही दुकानों पर स्वीकृति अनुसार भेजा जाता है। किसी दुकान पर खराब राशन पहुंचता है तो शिकायत के आधार पर उसे बदला जाता है। खराब राशन मंगवाकर नया भेजा जाता है। खाने के योग्य जो गेहूं नहीं होता है, उसे रिजेक्ट गेहूं की श्रेणी में रख देते है और चावल तो जो आता है वही दिया जा रहा है।

सतना से आया चावल...

सरकारी गोदामों में गरीबों के लिए जो राशन आ रहा है उसकी गुणवत्ता घटिया स्तर की है। जो चावल आ रहा है उसका चूरा हो रहा है। चावल के बारीक टुकड़े हो रहे हैं। इस बार चावल सतना से आया है। गोदामों में ही पैरों में आकर चावल का चूरा हो रहा है। जो गेहूं दुकानों तक पहुंच रहा है, उसमें धूल सहित कंकड़ भी मिल रहे है। गेहूं में इतनी अधिक धुल है कि गेहूं हाथ में लेकर छोड़ने पर धुल हाथ में दिख रही है तो गेहूं खोखले हो रहे है। गेहूं व चावल सबसे अधिक मात्रा में जिले में राशन के नाम पर वितरित हो रहा है।

तस्करों को अभयदान दे रहा आबकारी विभाग

पुलिस कर रही कार्यवाही, आबकारी नहीं समझ रहा जिम्मेदारी

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध शराब का खेल लगातार हो रहा है। इन तस्करों और शराब माफियाओं को पकड़ने के लिए जितनी जिम्मेदारी पुलिस की है। उससे ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी आबकारी विभाग की है। लेकिन, कार्रवाईयों के आंकड़े देखे तो ऐसा लगता है कि मादक पदार्थों के तस्करों को पकड़ने की जिम्मेदारी आबकारी विभाग के अधिकारी समझ नहीं पा रहे है। कई सालों से आबकारी विभाग ने एक भी एनडीपीएस की कारवाई नहीं की है। वहीं अवैध शराब की धरपकड़ का काम खासतौर से आबकारी विभाग का होता है। लेकिन, विधानसभा और लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के आंकड़े ही देख ले तो हकीकत साफ नजर आ जाएगी। आचार संहिता में ही आबकारी विभाग ने कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई। जबकि, पुलिस ने आबकारी विभाग से कई गुना ज्यादा मामलों में कार्रवाई की।

एक अधिकारी-कर्मचारी ने की औसत पांच कार्रवाई...

आबकारी अधिकारी स्टॉफ की कमी का रोना रोते रहते हैं। विभाग में मैदानी स्टॉफ में तीन एसआई, एक एडीओ और बाईस सिपाही है। इस तरह से 26 अधिकारी कर्मचारी मैदानी स्तर पर कार्रवाई कर सकते हैं। आचार संहिता के दौरान भी एक अधिकारी, कर्मचारी ने औसत पांच कार्रवाई की थी।

मुखबीर तंत्र नहीं कर रहा काम...

आबकारी विभाग को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए जिस तीसरे तंत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वह सबसे कमजोर है। आबकारी के कारिंदो का मुखबीर तंत्र कमजोर है। लेकिन दूसरी ओर शराब की ऐसी कार्रवाईयां होती है, जिसमें कथित मुखबीर अर्थात शराब दुकान लायसेंसी के लोग पकड़कर देते है तो कार्यवाही हो जाती है। अन्यथा ढाबा संचालको सहित सभी से फिक्स रहता है कि महीने में एक केस देना पड़ेगा। ऐसे में एनडीपीएस एक्ट को लेकर ही मुखबीर तंत्र कमजोर होना समझ से परें है।

सात साल से फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। बीते 7 साल से फरार तीन वारंटियो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नारायणगढ़ पुलिस ने बताया कि जेएमफसी न्यायालय नारायणगढ़ के 7 वर्ष पुराने प्रकरण मे फरार आरोपी रामनाथ पिता टेकानाथ कालबेलिया, राजेश पिता रामनाथ कालबेलिया व इन्द्राबाई पति रामनाथ कालबेलिया निवासी सेमलखेडी थाना सुकेत जिला झालावाड राजस्थान को गिरफ्तार करने मे सफलता मिली है। यह तीनों आरोपी घटना से ही फरार थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए न्यायालय ने वारंट जारी किया था। वर्तमान में चलाए जा रहे अभियान के दौरान गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

मृत्यु के बाद पुलिसकर्मी का प्रमोशन..!

एएसआई से बनाया सब इंस्पेक्टर

रतलाम, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस हेडक्वार्टर ने सहायक उप निरीक्षक से उप निरीक्षक के पद पर 145 पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया है। इसमें उस पुलिसकर्मी का भी नाम है, जिसकी मत्यु एक महीने पहले हो चुकी है। अपने कामों के साथ कारनामों के लिए भी अकसर चर्चा में रहने वाली मध्य प्रदेश पुलिस का एक बार फिर एक गजब कारनामा सामने आया है। दरअसल राजधानी भोपाल में स्थित पुलिस हेडक्वार्टर से शुक्रवार को एएसआई से एसआई के पद पर प्रमोट किए गए पुलिसकर्मियों के प्रमोशन की लिस्ट जारी की गई है। अब इसे डिपार्टमेंट का कारनामा कहेंगे या लापरवाही, वो ये कि इस प्रमोशन लिस्ट में उस सहायक उपनिरीक्षक को पदोन्नति देकर उपनिरीक्षक बनाया गया है, जिसकी मृत्यु करीब एक माह पहले ही हो चुकी है।

भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय से प्रदेशभर के लिए 145 सहायक उपनिरीक्षक को पदोन्नत करते हुए उप निरीक्षक पद का कार्यवाहक प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी किया गया। लेकिन, जारी आदेश के तहत डिपार्टमेंट ने एक माह पहले मर चुके असिस्टेंट सब इंसपेक्टर को प्रमोट करते हुए सब इंस्पेक्टर बना दिया है। जो लिस्ट शुक्रवार देर शाम पुलिस मुख्यालय से जारी हुई है, उसमें रतलाम जिले के 7 सहायक उपनिरीक्षकों को भी उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नति दी गई है, जिनमें प्रकाश रालोटिया का नाम भी है। प्रकाश रालोटिया का नाम लिस्ट में 65 वे नंबर पर है। मृत्यु से पहले इनकी पोस्टिंग रतलाम में दीनदयाल थाने में बतौर सहायक उप निरीक्षक के रूप मे थी। इनकी करीब एक महीने पहले मृत्यु हो गई थी। लेकिन, अब महीने भर बाद इनका नाम भी प्रमोशन लिस्ट में डाल दिया गया है। उनके साथियों का कहना है कि जीते जी अपनी 25 साल की नौकरी में प्रकाश रालोटिया ने पदोन्नति का बहुत इंतजार था। बता दें कि प्रकाशचंद्र रालोटिया की सड़क दुर्घटना मे 21 मई 2024 को मृत्यु हो गई थी। इधर, रतलाम पुलिस का कहना है कि हमारी ओर से पहले ही सूचना दी जा चुकी थी। लेकिन, संभवतः अपडेट न होने सें ये त्रुटि आई है। लेकिन, इतने संवेदनशील विभाग के पद पर बैठे अफसरों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दोनों पक्ष के 10 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। खेत की मिट्टी पड़ोसी के खेत में गिरने पर पानी की निकासी बंद होने पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों के 10 लोगों के खिलाफ क्रास प्रकरण दर्ज किया। वहीं दलित किसान से मारपीट करने वाले आरोपियों पर अनुसूचित जाति, जनजाति (एससीएसटीएक्ट) की धाराओं में भी प्रकरण दर्ज किया। बांसखेडी निवासी उंकारलाल पिता चुन्नीलाल बावरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत के पड़ोसी तुरकिया निवासी राजेन्द्रसिंह पिता रतनसिंह ने खेत में मिट्टी डालकर भराव किया, मिट्टी मेरे खेत कें गिरने से मेरे खेत में पानी की निकासी बंद हो गई। मैंने राजेन्द्रसिंह से मिट्टी हटवाने की बोला तो राजेन्द्रसिंह ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए गालियां दी व उसके साथ ही भुनप्रतापसिंह पिता रतनसिंह, जितेन्द्रसिंह पिता मनोहरसिंह, पदमसिंह पिता उदयसिंह, भूपेन्द्रसिंह पिता जसवन्तसिंह ने एकमत होकर मेरे व मेरे बेटे बबलू, बहू पूजा के साथ लकड़ियों से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए शोभराम, बाबूलाल, नीतिन, संतराबाई व ललिता के साथ भी मारपीट कर एक बाइक व मोबाइल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मारपीट में हाथ, पैर, सिर, कमर, पीठ आदि जगह गंभीर चोंटे आई। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ 294, 323, 506, 427, 34 एवं एससीएसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया। इसी तरह तुरकिया निवासी राजेन्द्रसिंह बोराना ने शिकायत दर्ज कराई कि मैं बांसखेडी में अपने दोस्त पदमसिंह से बातचीत .. शेष पेज 4 पर

बीएल चौहान को मिली पदोन्नति, थानेदार बने

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। केन्ट थाने में सहायक उपनिरीक्षक के रूप में सेवाएं प्रदान कर रहे बी.एल.चौहान को शुक्रवार को विभाग द्वारा पदोन्नति दी गई। शनिवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया द्वारा उनके कंधे पर सितारा लगाये जाने के साथ ही उपनिरीक्षक बनाया गया।

बता दें कि बी.एल. चौहान ने वर्ष 1988 में मंदसौर जिले से पुलिस जवान के रूप में अपने पुलिस विभाग में सफर की शुरुआत की। वहीं 2008 में पहली पदोन्नति के साथ वह प्रधान आरक्षक बने। जिसके बाद वर्ष 2015 में दूसरे प्रमोशन के साथ सहायक उपनिरीक्षक बन नीमच जिले में अपनी आमद दर्ज कराई। श्री चौहान मंदसौर जिले के वायडी नगर, नई आबादी, भावगढ सहित कई थानों पर अपनी सेवाएं प्रदान की। वहीं सहायक उपनिरीक्षक के रूप में नीमच जिले के मनासा, बघाना व नीमच केन्ट में पदस्थ रहते कई गंभीर अपराधों से पर्दा उठाने में अपनी अहम भूमिका निभा चुके हैं। श्री चौहान की इस पदोन्नति पर उन्हें पुलिस विभाग, परिवारजनों व सभी इष्ट मित्रों द्वारा बधाई प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

युवक ने फांसी लगाई, मौत

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। नरसिंहपुरा क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

मिली जानकारी के अनुसार नरसिंहपुरा निवासी ललित पिता भागीरथ बंडवार जाति कुमावत ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को पीएम के लिए बड़े अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पुलिस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु की है।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता, 7 रन से हराया

नईदिल्ली, 29 जून। इंडिया में आधी रात दिवाली मन रही है। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था।

साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जाएगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। टीम ने 2007 में

पहला वर्ल्ड कप जीता था। इसी के साथ भारतीय टीम ने आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी खउउ टूर्नामेंट 2013 में जीता था। बारबडोस से स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग चुनी थी। पावरप्ले में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट गिर गए थे। कोहली ने 72 और अक्षर पटेल ने 47 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने तेज रफ्तार से 27 रन बनाकर स्कोर 176 तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने एक-एक विकेट लिया। रन चेज में साउथ अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बना सकी। हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। हेनरिक क्लासन ने 27 बॉल पर 52 रन बनाए, जबकि डी कॉक ने 31 बॉल पर 39 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 बॉल पर 31 और मिलर ने 17 बॉल पर 21 रन का योगदान दिया।

कौन फैलाना चाहता है अशांति- कालाभाटा डेम क्षेत्र शिवना नदी से शनिवार को एक बार फिर खाद के कट्टे में भरकर फैका गए मांस के अवशेष मिले। मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता ने जमकर विरोध किया। पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। बाद में मांस को पशु चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस को यह जांच करना चाहिए कि आखिर ऐसे कौन से तत्व है जो इस तरह की शरारत कर शहर में अशांति फैलाना चाहते है?

क्षेत्र की समस्याएं टारगेट करें विधायक तो विकास के साथ लोकप्रियता में आगे रहेंगे...

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र से एकमात्र कांग्रेसी विधायक है मंदसौर से विपिन जैन है, बाकी सभी सातों सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। खुद विपिन जैन और कांग्रेस के लिए उपलब्धि है कि एकदम विपरीत हवा में तीन बार के विधायक यशपालसिंह सिसोदिया को हराकर विधायक बने हैं। जबकि, विधायक रहते यशपाल जितना सक्रिय थे, आज भी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चाओं में बने रहते हैं। छात्र राजनीति से पार्षद, नगर पालिका अध्यक्ष के बाद विधायक बने यशपाल को समस्या को तलाशना, सार्वजनिक करना और विधानसभा तक ले जाने में महारत हासिल थी। आज भी ऐसे मामलों में विजन तेज है। इसी कारण चुनाव हारने के बाद भी क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जब तब अपनी सक्रियता मीडिया में परोसते रहते हैं। इसी लय में बीते दिनों जिला चिकित्सालय के हाल में मेडिकल कॉलेज के लिए आए हुए स्टाफ कर्मियों से पूर्व विधायक सिसोदिया सीएमएचओ, सीएस और डीन रूबरू हुए थे।

चन्द्रमोहन भगत

इस गुफ्तगू की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही सवाल उठाए गए कि सिसोदिया किस हैसियत से स्टाफ से रूबरू हुए हैं। जबकि, वर्तमान विधायक विपिन जैन है। इस तरह की आपत्ति राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकती है, पर दूसरा पहलू यह भी है कि जिस मेडिकल कॉलेज के नए स्टाफ से मिलने सिसोदिया पहुंचे थे, विधायक को पहले ही यह औपचारिकता निभा देनी थी। इसके लिए जागरूक जनप्रतिनिधि जैसा नजरिया होना पहली प्राथमिकता होती है। पहले भी क्षेत्र की समस्याओं को सिसोदिया ने पहल करते हुए कलेक्टर, राज्य शासन तक को पत्र भेजे हैं। क्षेत्र की समस्याओं और जनहित के मामलों में सचेत रहते हुए अगर विधायक विपिन जैन पहले प्रशासन, शासन को अवगत कराने लगे तो सिसोदिया को अवसर ही नहीं मिलेगा!

सरपंच रहते विपिन जैन ने बहुत नाम कमाया था। आज विधायक बनने का कारण भी इनका सरपंच कार्यकाल रहा है। अब क्षेत्र बड़ा होने के साथ ही समस्याएं भी उसी अनुपात में और पंचायत से बहुत बड़ी और अधिक बजट वाली है। ऊपर से विसंगति यह है कि सरकार विरोधी दल भाजपा की है। हर सरकार का दस्तूर रहता है कि विरोधी दलों के विधायकों के कामों की प्रशासकीय और तकनीकी स्वीकृति को लटकाए रखा जाता है। यह भी तय है कि सरपंच कार्यकाल की तरह विधायक कार्यकाल नहीं निकाला जा सकता है। विपिन जैन इसी परेशानी को झेल रहे हैं। क्योंकि, 15 साल विधायक रहे यशपाल को समस्या बताने वाले उनके अपने कार्यकर्ता हैं जो समय-समय पर उनसे मामला उठाते रहते हैं।

विपिन जैन के आसपास वर्तमान में जो भी समूह है। वे विपिन जैन से ज्यादा खुद को चमकाने और भविष्य के लिए स्थापित करने में लगे हुए हैं। इस प्रसंग को जांचेंगे तो उनके आसपास वाले ही इन्हें अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए तैयार कर चुके हैं और खुद की पदस्थी के लिए अपने-अपने स्तर पर पाल बांधने लगे हैं।

सांसद प्रत्याशी रहे दिलीप गुर्जर के सामने भी यही परोसा जा रहा है की विधायक बनने के लिए मेहनत की थी। सांसद चुनाव में भी वैसी मेहनत की होती तो 50 हजार मतों से नहीं हारते। कुल मिलाकर विपिन जैन को खुद के विजन और विवेक का उपयोग कर क्षेत्र की समस्या और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मुद्दे खुद तय करना पड़ेंगे या किसी भरोसेमंद समर्थक के भरोसे तैयारी करना पड़ेगी। वरना, पूर्व विधायक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के तरीके अच्छे से जानते हैं। और जन साख बनाए रखने के लिए ऐसा ही कर भी रहे हैं। विपिन जैन आगे बढ़कर राजनीतिक शॉट नहीं मार पाए तो पिछड़ेंगे ही..।

विचार-मंथन

कनाडा में आतंक का महिमामंडन...

वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र की बात और अपने देश में प्रकारांतर से आतंकवाद का समर्थन और महिमामंडन मानो कनाडा की फितरत होती जा रही है। पिछले कुछ समय से यह लगातार देखा जा रहा है कि एक ओर कनाडा भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग का संबंध मजबूत करने की दुहाई देता है और दूसरी ओर वह भारत के खिलाफ आतंकी तत्वों को संरक्षण देता है, उनके लिए सहानुभूति का सार्वजनिक प्रदर्शन करता है। हालांकि कनाडा के इस चेहरे को समझना अब मुश्किल नहीं रह गया है और एक तरह से यह भारत के लिए सजग रहने का वक्त है। यही वजह है कि आतंकवादियों के प्रश्रय देने के कनाडा के रुख के मद्देनजर अब भारत ने भी स्पष्ट प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। वर्ष 1985 के कनिष्क बम विस्फोट की उनतालीसवीं बरसी पर कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाली गतिविधियों को निंदनीय करार देते हुए भारत ने साफ शब्दों में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी कार्रवाइयों को वहां इजाजत दी जाती है, जबकि शांतिप्रिय देशों और लोगों की ओर से आतंकवादी गतिविधियों की निंदा की जानी चाहिए। गौरतलब है कि कनिष्क बम विस्फोट की घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार तीन सौ उनतीस लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। माना जाता है कि उस समय के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी तत्व कनिष्क बम विस्फोट की घटना के लिए जिम्मेदार थे। इसके बावजूद कनाडा पर खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं। आमतौर पर कनाडा इन आरोपों से इनकार करता रहा है, मगर वह इस सवाल का जवाब नहीं दे पाता कि अगर वह आतंकवाद में विश्वास रखने वालों को प्रश्रय नहीं देता है तो वहां की संसद तक में किसी खालिस्तानी तत्व की याद में गतिविधियां क्यों आयोजित होती हैं। हाल ही में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की याद में कनाडा की संसद में 'एक मिनट का मौन' रखा गया था, जिसकी भारत ने तीखी आलोचना की थी। विचित्र यह है कि कनाडा की ओर से भारत के साथ कई मुद्दों पर साथ होने और आर्थिक-राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा करने की दुहाई दी जाती है और साथ ही वहां की संसद में खालिस्तान समर्थकों की हिमायत में 'एक मिनट का मौन' रखा जाता है। सवाल है कि दूसरे देशों में लोकतंत्र की लड़ाई का पक्ष लेने के दावे के समांतर कनाडा किस तर्क पर अपने देश में अलगाववादी तत्वों को संरक्षण देता है, उनके प्रति सहानुभूति का रुख रखता है। क्या वह इस तथ्य से अनजान है कि इस मसले पर भारत के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी हैं? क्या यह परोक्ष रूप से भारत जैसे देश की संप्रभुता में दखल नहीं है? यह रवैया रखते हुए कनाडा भारत के साथ किस तरह के सहयोग की अपेक्षा करता है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आतंकवाद किसी तरह की सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल का खयाल नहीं करता और यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिल कर निपटने की जरूरत है। विश्व में ऐसे भी उदाहरण रहे हैं कि अगर किसी देश ने अपने सीमा-क्षेत्र में आतंकवाद को पलने-बढ़ने का मौका दिया, उसे प्रश्रय दिया, तो बाद में खुद उसे ही आतंकवाद का पीड़ित और भुक्तभोगी होना पड़ा। कनाडा आतंक का महिमामंडन करके न केवल भारत के सामने जटिल हालात पैदा करने की कोशिश करता है, बल्कि वह अपने भविष्य के लिए भी मुश्किलों की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है।

संसद में चर्चा का घटता वक्त चिंता का विषय...

राजेश बादल

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो चुका है। जब इस देश की आबादी करीब पैंतीस-छत्तीस करोड़ थी तो पहली लोकसभा की शक्ल सुपोषित थी और सर्वाधिक 677 सार्थक बैठकों ने इसे ऐतिहासिक शिखर पर बैठा दिया था। राज्यसभा ने भी 565 बैठकों के माध्यम से कीर्तिमान बनाया था। उस लोकसभा ने 3784 घंटे काम किया था। इसके बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में 1971 से 1977 तक कुल 613 बैठकें हुई और रिकॉर्ड 4071 घंटे काम किया गया। उस समय देश की आबादी इकतालीस करोड़ तक जा पहुंची थी। लेकिन सत्रहवीं लोकसभा ने केवल 274 बैठकें कीं, जबकि मुल्क की जनसंख्या डेढ़ सौ करोड़ पर जा पहुंची है। संसदीय इतिहास में यह न्यूनतम आंकड़ा है। इससे पहले सोलहवीं लोकसभा भी कोई बहुत बेहतर नहीं थी। उन पांच वर्षों में लोकसभा की सिर्फ 331 और राज्यसभा की 329 बैठकें हुईं। जाहिर है कि संसदीय लोकतंत्र की यह अच्छी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। जब 1952 में पहले आम चुनाव के बाद निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने देश की बागडोर संभाली तो पक्ष और प्रतिपक्ष की संयुक्त चिंता यह थी कि भारत के विराट आकार को देखते हुए संसद साल भर में कितने दिन काम करे। संसद की सामान्य कामकाज समिति ने अगले ही बरस यानी 1953 में इस मसले पर विचार शुरू किया और 1955 में उसने सिफारिशें संसद पटल पर रख दीं। इनमें सुझाव दिया गया था कि साल में संसद के कम से कम तीन सत्र हों। इन सत्रों में लोकसभा की न्यूनतम 120 और राज्यसभा की 100 बैठकें होनी चाहिए। समिति की अनुशंसाओं को पक्ष और प्रतिपक्ष ने शिरोधार्य किया। परिणाम चमत्कारिक रहे और संसद के इतिहास में कीर्तिमान बना गए, प्रत्येक वर्ष औसतन 135 बैठकें हुई। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसे लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाला कदम बताया था। बताने की आवश्यकता नहीं कि इकतालीस करोड़ के राष्ट्र की प्राथमिकताएं और चिंताएं डेढ़ सौ करोड़ की आबादी वाले हिंदुस्तान की चिंताओं से कम नहीं थीं। दूसरी ओर यह भी मानना होगा कि आज राष्ट्रीय समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से निपटने के कारगर उपाय यह देश नहीं खोज पा रहा है। इस चुनौती भरे कार्य में प्रतिपक्ष भी सक्रिय भूमिका नहीं निभा पा रहा है। संसद में उसकी भूमिका न के बराबर रह गई है। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए समस्याओं का बड़ा गुच्छा उलझा हुआ है। विदेश नीति सवालों के घेरे में है, औसत भारतीय के जीने की स्थितियां विकट हो रही हैं और हमारी संसद में उन पर विचार के लिए समय सिकुड़ता जा रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में तो संसद को साल में कम से कम 200 दिन काम करना चाहिए। पर उम्मीद कम ही है। सत्रहवीं लोकसभा का पहला सत्र चालीस दिन चला था और अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सिर्फ नौ दिन चलेगा। इसमें तीन दिन शपथ में निकल जाएंगे और दो दिन छुट्टी रहेगी। क्या प्रतिपक्ष के अधिक ताकतवर होने को इसके पीछे समझा जाए? अंशकालिक काम करके जनप्रतिनिधि पूर्णकालिक वेतन और भत्ते ले रहे हैं। यह नैतिक भ्रष्टाचार ही है। दस साल में संसद और उसके कामकाज पर लगभग पंद्रह हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। हमारे जनप्रतिनिधि इतनी विराट धनराशि खर्च करके देश को क्या रिटर्न गिफ्ट दे रहे हैं? भारत के सामने मुंह बाए खड़ी दिक्कतों पर हमने संसद को गंभीर चर्चाएं और उनका समाधान करते देखा है। मौजूदा दौर में यह सिलसिला थम चुका है। संसद का पुस्तकालय समसामयिक संदर्भों का अनमोल खजाना है। दो-ढाई दशक पहले तक हमने इस पुस्तकालय में सांसदों को दिन भर अध्ययन करते और नोट्स लेते देखा है। आज साक्षरता का प्रतिशत अस्सी पार का दावा किया जा रहा है और संसद पुस्तकालय सूना रहता है। एक सांसद हिंदी में एक पंक्ति तक शुद्ध नहीं लिख पाता तो पढ़ने की किस संस्कृति की बात करें? संविधान सभा की चर्चाओं में मसला उठा था कि संसद और विधानसभाओं में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्नातक होना अनिवार्य कर दिया जाए। तब तर्क दिया गया कि भारत की केवल 18 फीसदी आबादी साक्षर है। ऐसे में स्नातक होने की आड़ लेकर कोई गलत व्यक्ति चुन कर आ सकता है। भविष्य में जब देश पढ़-लिख जाएगा तो बौद्धिक रूप से संपन्न जनप्रतिनिधि चुनकर आने लगेंगे। उस समय स्नातक पर जोर दिया जाए। उसके बाद किसी ने ध्यान नहीं दिया और राजनीति में नव सामंतवाद हावी हो गया। अब बाहुबल और धनबल से समृद्ध कारोबारी ही चुनाव लड़ने में सक्षम हैं। कमजोर आर्थिक स्थिति वाले ईमानदार प्रतिभाशाली नौजवान लोकतांत्रिक अनुष्ठान में आहुति नहीं दे पाते। यह चिंता कौन कर रहा है? बात यहीं खत्म नहीं होती। बहुदलीय लोकतंत्र में छोटे राजनीतिक दलों का भी समान महत्व है। उनकी उपेक्षा सामूहिक नेतृत्व की मूल भावना के खिलाफ है। सत्रहवीं लोकसभा में पहली बार संविधान के अनुच्छेद 93 का पालन नहीं हुआ। इसमें प्रावधान है कि लोकसभा शीघ्र अति शीघ्र अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव करेगी। पांच वर्षों में कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया। आमतौर पर यह पद प्रतिपक्ष के पास रहा है। मगर, पूरे पांच बरस लोकसभा को उपाध्यक्ष नहीं मिला। सोलहवीं लोकसभा में भी इस परंपरा का पालन नहीं हुआ। सत्तारूढ़ दल ने अपने गठबंधन के एक दल को यह पद दिया था। इस बार विपक्ष का आकार सत्रहवीं लोकसभा से बहुत बड़ा है। इसलिए उम्मीद करें कि प्रतिपक्ष को लोकसभा उपाध्यक्ष मिलेगा। इस बार नेता प्रतिपक्ष तो तय है। उसकी संख्या हाशिये पर नहीं रखी जा सकती।

बढ़ती सुविधाएं सिकुड़ता बचपन...

अशोक कुमार

सामाजिक परिवेश के अनेक आयामों में पारिवारिक परिधि सबसे लघु इकाई मानी जाती है, जिसके ताने-बाने की डोर परिवार के समस्त सदस्यों को किसी न किसी रूप में बांधे रखती है। कभी घर-आंगन के सभी सदस्यगण अपनी अपनी जिम्मेवारी के बंधन को बखूबी निभाते थे और वे एक स्वतःस्फूर्त अनुशासन के आभामंडल से जुड़े रहते थे। संयुक्त परिवार के सभी सदस्य एक दूसरे से हिल-मिल कर सामंजस्य बिठाते हुए आत्मीय तरंग बिखेरते थे, जिसके कारण परिवार में अमन-चैन कायम रहता था। दादा-दादी, मां-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहन, पति-पत्नी आदि संबंधों में परस्पर सद्भाव और समझदारी की गंगा बहती थी। बचपन में सुबह-सुबह पाठशाला न जाने के बहाने बनाने पर मां-चाची बहला-फुसला कर स्कूल जाने को विवश कर देते थे। बदलते समय ने आज बहुत कुछ हालात को भाग-दौड़ की गति से आबद्ध कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भले औसत रूप में मानवीय दिनचर्या सामान्य है, लेकिन नगरीय रहन-सहन में विशेषकर एकल परिवार को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार में सीमित संसाधनों की उपलब्धता और भौतिक आवश्यकताओं की ओर मन की व्यग्र इच्छा ने पारिवारिक आंगन में वैचारिक कोलाहल मचा रखा है। सहनशीलता की घोर कमी ने भी परिवार में छोटी-मोटी बातों पर तनाव और मनमुटाव की झड़ी लगा रखी है। ऐसी स्थिति आमतौर पर अब लगभग हर घर में देखी जा रही है, जहां विशेषकर किशोर अपने माता-पिता के बीच गुस्से में हुई बहस या लड़ाई झगड़े के समय सन्नाटे में जाकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उस समय उनके मानसिक आवेग बड़े ही संवेदनशील होकर उनके चिंतन तंत्र को कुप्रभावित करते हैं। इस हालात में उन्हें भावनात्मक और संज्ञानात्मक रूप से कमजोरी के दौर से गुजरने की बाध्यता होती है और यह स्थिति उनके मस्तिष्क पर दीर्घकालिक असर छोड़ती है। उनके अंदर बाल मन की गतिशीलता की नैसर्गिक प्रतिभा विचलन की ओर जाती दिखती है। टकराव या गुस्से में माता-पिता की चिल्लाहट की गूंज बच्चों के कान में कम, बल्कि उनके दिमाग पर अधिक असर डालती है। उनके मन में एक भय की रेखा खींच जाती है और वे कल्पना करने लगते हैं कि कहीं मां-पिता उन्हें छोड़कर अन्यत्र न चले जाएं। ऐसी कुछ घटनाएं होती भी हैं। बाल मन का अध्ययन करने वाले मनोवैज्ञानिकों का कथन है कि इस स्थिति में बच्चे नकारात्मकता के शिकार हो जाते हैं और उनकी पढ़ाई-लिखाई प्रभावित होती है। बच्चों के सामने मां-पिता की अस्वस्थ बहस उनकी सुरक्षा की भावना को खतरे में डालती है, जिसके कारण व्यवहार-कौशल को प्राकृतिक आचरण नहीं मिलने से बच्चे का विकास भी अवरुद्ध हो जाता है। आपस में लड़ाई में व्यस्त माता-पिता को यह ज्ञात नहीं हो पाता कि उनके इस आचरण से बच्चों में अपराध बोध में वृद्धि और आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। उक्त हालात में बच्चे मां-पिता की उग्रता को भी सीखते हैं जो धीरे-धीरे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसे तुनकमिजाज बना देता है। इस हालत से अक्सर गुजरने के कारण जब बच्चे अपनी वर्तमान वास्तविकता से असहज और असामान्य होते हैं तो वे दयनीय अवस्था धारण कर आत्महीनता और अंतर्मुखी बन जाने के शिकार होते हैं। सबसे खराब प्रभाव यह पड़ता है कि बच्चे भय के कारण अपने मां-पिता से खुलकर बात करने की मनोदशा से मुक्त होकर झूठ बोलने के सहारे से बंध जाते हैं और उनका कोमल बचपन कहीं खो जाता है। बड़े होकर यही बच्चे घर के प्रतिकूल माहौल के चलते अपने साथियों की शरण में जाकर विभिन्न किस्म की कुप्रवृत्तियों के संवाहक बनते हैं। घर में परिवार के बीच या माता-पिता के विवाद से उत्पन्न स्थिति में बच्चों की चंचलता, उल्लास, बाल सुलभ गतिविधियां नेपथ्य नभ में विचरण करने लगते हैं। चूंकि घर-आंगन बच्चों की प्राथमिक पाठशाला है, जहां वे अच्छी-बुरी आदतों को ग्रहण करते हैं, इसलिए ज्यादातर बच्चे अपने अभिभावक की गलत हरकतों से समाज के अन्य अपनाने योग्य अच्छी आदतों से वंचित भी हो जाते हैं। स्नेह, वात्सल्य और समुचित देखभाल की प्राकृतिक जिम्मेवारी से मुक्त होने के कारण बहुत सारे बच्चे वर्तमान समय में मोबाइल में अपना भविष्य तलाशने लगते हैं। उनकी नींद के साथ-साथ पढ़ाई और भूख भी किसी न किसी रूप में प्रभावित होती है। सवाल है कि इस प्रतिकूल दिशा और दशा की ओर प्रस्थान करते किशोर के भविष्य को कैसे संभाला जाए।

महज दस घंटे से बढ़ते-बढ़ते पच्चीस घंटे की ओर दिन

हमारी पृथ्वी का एक दिन 24 घंटे का होता है, पर क्या हमेशा दिन की समय-सीमा यही थी और आगे भी यही रहेगी? अब ऐसा नहीं कहा जा सकता है। भूवैज्ञानिकों का दावा है कि आने वाले समय में दिन की अवधि 24 घंटे से ज्यादा हो सकती है, क्योंकि यह पिछले हजारों साल से बढ़ रही है। जब चंद्रमा का निर्माण हुआ था, तब हमारी पृथ्वी का दिन 10 घंटे का था और आज यह 24 घंटे का है। अनुमान है कि यह समय के साथ बढ़ता रहेगा। दिन का समय हमेशा बदलता रहा है। अब यह धीरे-धीरे लंबा होता जाएगा। ऐसा समय भी भविष्य में आ सकता है कि जब दिन का समय 25 घंटे का हो जाएगा। भूवैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक दिन में 25 घंटे हो सकते हैं। ऐसा होने की उम्मीद ज्यादा है। यह दावा टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख ने किया है। दिलचस्प बात है कि हमेशा से ऐसा नहीं था, कभी एक दिन में 24 घंटे से कम हुआ करते थे, अब वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक दिन में 25 घंटे हो सकते हैं। ऐसा होने की उम्मीद ज्यादा है। इसकी वजह धरती के घूमने से जुड़ी है। पृथ्वी के घूमने से होने वाला उतार-चढ़ाव खगोल विज्ञान के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे कई दिलचस्प जानकारियां मिलती हैं। अब एक दिन में घंटे बढ़ने की बात इसी में हुए बदलाव से सामने आई है। टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख खगोल विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च कर रही है। यह संस्थान पृथ्वी के बारे में डाटा हासिल करने के लिए एक खास तरह के उपकरण का इस्तेमाल कर रहा है। इसे रिंग लेजर कहते हैं। इसका काम पृथ्वी के घूमने के पैटर्न और गति को मापना है। यह इतने सटीक तरह से काम करता है कि पृथ्वी की गति में होने वाले छोटे-बड़े बदलाव को भी आसानी से पकड़ लेता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ठोस और द्रव जैसी चीजें पृथ्वी के रोटेशन या घूमने के गति पर असर डालती हैं। ये बदलाव वैज्ञानिकों को नई जानकारियां देने के साथ मौसम में जुड़े बदलाव, जैसे अल नीनो असर को समझने में मदद करते हैं। रिपोर्ट कहती है कि लेजर रिंग एक ऐसा गायरोस्कोप है, जो धरती के 20 फिट नीचे एक खास तरह के दबाव वाले हिस्से में है। यहां से निकलने वाला लेजर धरती के घूर्णन, यानी घूमने की गति में होने वाले बदलाव को तुरंत पकड़ लेता है। यहीं से घंटों के बढ़ने की संभावना पर वैज्ञानिकों ने अपनी मुहर लगाई है। खगोल वैज्ञानिक दावा करते हैं कि आज भले ही 24 घंटे का एक दिन है, लेकिन डायनासोर के दौर में एक दिन में 23 घंटे होते थे। एबीसी की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उस युग में चांद धरती के थोड़ा पास हुआ करता था। इस रिपोर्ट के अनुसार, यह बदलाव ऐसा नहीं है कि सब कुछ एक ही दिन में हो जाएगा। यह धीरे-धीरे होगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि करीब 20 करोड़ साल बाद एक दिन 25 घंटे का हो जाएगा। कभी पृथ्वी पर ऐसा भी दौर था, जब दिन की लंबाई केवल 19 घंटे थी। धरती के बनने के समय पृथ्वी अपनी धुरी पर 10 घंटे से भी कम समय में घूमती थी, यानी एक दिन महज 10 घंटा का था। अब हर 24 घंटे में एक बार पृथ्वी अपनी धुरी पर चक्कर पूरा करती है, जो एक दिन को दिखाता है। पृथ्वी का घूमना वास्तव में इस ग्रह की उत्पत्ति की कहानी का प्रमाण है। कोई ग्रह कितनी तेजी से घूमता है, यह इस बात से निर्धारित होता है कि इसका निर्माण कैसे हुआ। जब प्रोटो प्लेनेटरी डिस्क में सूर्य की परिक्रमा करने वाली धूल, चट्टानें और गैस अंतरिक्ष में एक साथ आते हैं, तब ग्रह-निर्माण होता है। हमारी पृथ्वी के दिन की लंबाई हमें सुसंगत और एक समान लग सकती है, पर ऐसा नहीं है। बहुत धीरे-धीरे इसमें बदलाव आ रहा है। एक शताब्दी में दिन का समय 1.7 मिली सेकंड बढ़ रहा है।

आज का राशिफल

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5281

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5280

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 5280

संकेत: बाएं से दाएं

1. 23 मार्च 1931 को इस क्रांतिकारी को अपने दो प्रमुख साथियों के साथ फांसी दे दी गई (5)
5. गर्व, दम्भ, घमंड, अभिमान (2)
7. उन्नीसवीं, यह वैजयंतीमाला की पहली फिल्म थी जिसमें उनके नायक कमल दीवान थे (3)
8. किसी रेखा पर खींची और खड़ी मिलने वाली रेखा (2)
9. टेढ़ा, तिरछा, कोणयुक्त (2)
10. योग्यता, बुद्धिमत्ता, बुद्धिमान (5)
12. मछली, मत्स्य (2)
13. एक कृत्रिम गरम जल स्रोत (3)
15. पराजित, हारा हुआ (3)
17. राजमुकुट, शाही टोपी, शिखा (2)
19. पाकिस्तान के प्रसिद्ध गजल गायक (निधन 13 जून 2012)(6)
22. इस को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
23. फिल्मों के प्रसिद्ध खलनायक (निधन 13 जनवरी 1985) (सिर्फ उपनाम नाम), कामदेव (3)
24. षड्ज, शास्त्रीय संगीत में पहला स्वर (1)

ऊपर से नीचे

1. भीष्म पर्व के अंतर्गत 18 अध्यायों का एक प्रकरण जिसमें अर्जुन का मोह छुड़ाने के लिए श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए उपदेशों का इस ग्रंथ में संग्रहित है (6)
2. भिन्नकाल, उस बार में, उस अवस्था में (2)
3. देवताओं का आसन, राजा का पद (4)
4. जनस्वास्थ्य, अंगूर (3)
5. भारत का प्राचीन विश्वविद्यालय यहां है (3)
11. तकरार, किचकिच, पाखंड (4)
12. दीपकों की उत्पत्ति (2)
14. निर्णय, न्याय, फैसला (4)
16. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
18. पास बैठने वाला, महेश भट्ट निर्देशित फिल्म आशिकी की संगीतकार जोड़ी में से एक (3)
20. सीमा, मर्यादा, नियत काल, पराकाष्ठा (2)
21. पुत्र, बेटा (अंग्रेजी) (2)

वर्ग पहेली 5279 का हल

भी	र	थ	ल	■	आ	र	जू
घ	र	क	■	डी	न	■	न
■	■	ना	प	न	■	आ	■
अ	उ	■	■	है	■	ह	ला
प	ई	त	■	ह	■	ट	■
का	शी	■	ब्र	मे	ला	■	वा
■	■	री	■	न	र	ख	ट
ना	मा	धा	र	■	■	त	र

एक पौधा मां के नाम अभियान में पौधारोपण की तैयोरियों को लेकर निगम आयुक्त ने की समीक्षा

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने आगामी 06 जुलाई 2024 को शहर में वृहद पैमाने पर होने वाले पौधा रोपण ''एक पौधा-माँ के नाम'' की तैयारियों की समीक्षा की और कार्य को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से निष्पादित करने हेतु विधानसभावार अपर आयुक्त, नोडल अधिकारी एवं साहयक नोडल अधिकारी को जिम्मेदारी दी है। निगम आयुक्त नारायन ने शहर में निगम द्वारा 01 लाख 20 हजार पौधरोपण के लिए पौधों के गड्ढे/थाले शीघ्रता से तैयार करने और पौधों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने निर्देशित किया कि 230 से अधिक स्थानों पर पौधरोपण के लिए प्रत्येक स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए और कार्य को व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में अपर आयुक्तगण सुनिधि सिंह, सुटीना यादव, गुणवंत सेवतकर, रणबीर कुमार, उपायुक्तद्वय सी.बी.मिश्रा, योगेन्द्र पटेल, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री भी मौजूद थे। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने आगामी 06 जुलाई 2024 को शहर में वृहद पैमाने पर होने वाले पौधा रोपण ''एक पौधा-माँ के नाम'' के तहत निगम द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त नारायन ने कार्य को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से निष्पादित करने हेतु विधानसभावार अपर आयुक्त, नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी को जिम्मेदारी दी है। निगम आयुक्त नारायन ने अपर आयुक्तगण सुनिधि सिंह को मध्य विधानसभा एवं गोविन्दपुरा विधानसभा, सुटीना यादव को नरेला एवं हुजूर विधानसभा, गुणवंत सेवतकर को दक्षिण-पश्चिम विधानसभा एवं रणबीर कुमार सिंह को उत्तर विधानसभा की जिम्मेदारी दी है।

इसके साथ ही विधानसभावार नोडल अधिकारियों में मध्य विधानसभा में अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, गोविन्दपुरा विधानसभा में, प्रभारी अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन, नरेला विधानसभा में प्रभारी अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, हुजूर विधानसभा में सहायक आयुक्त आर.डी.शर्मा, दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल तथा उत्तर विधानसभा में उपायुक्त सी.बी.मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बीसीसीआई प्रवक्ता अजय देवनानी ने सपत्नीक पौधरोपण किया।

शब्दावली के माध्यम से शिक्षा को फिर से भारतीयता की ओर ले जाना आवश्यकता: कड़ेल

भोपाल। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के स्वर्ण जयंती सभागार में भारतीय ज्ञान प्रणाली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शब्दावली में परिवर्तन पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई। मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा अंग्रेजियत हावी हो गई थी, शब्दावली के माध्यम से उसे पुनः भारतीयता की ओर ले जाने की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी 27 विषय क्षेत्रों की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें से विक्रम विश्वविद्यालय ने शब्दावली परिवर्तन पर सबसे पहले कार्यशाला

आयोजित इस कार्यशाला में दस से अधिक राज्यों के विशेषज्ञ विद्वानों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में समापन दिवस पर तीन तकनीकी सत्र हुए। कार्यशाला का समापन 28 जून, शुक्रवार को अपराह्न में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि श्री अशोक कड़ेल, संचालक, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल थे और अध्यक्षता प्रो अखिलेश कुमार पांडेय, कुलगुरु, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने की। विशिष्ट अतिथि प्रो विरुपाक्ष जड्डीपाल, सचिव, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा थे। कार्यशाला के उद्देश्य एवं उपलब्धियां पर कुलानुशासक एवं मुख्य समन्वयक प्रो शैलेंद्रकुमार शर्मा ने प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री अशोक कड़ेल, संचालक, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आयोजित कर ऐतिहासिक कार्य किया है। शब्द के विशिष्ट अर्थ होते हैं, उनकी अपनी महिमा है। ज्ञान परंपरा से प्रत्येक विषय और उसकी शब्दावली को जोड़ने की आवश्यकता है। शब्दावली के माध्यम से विद्यार्थियों तक भारतीय जीवन दर्शन को पहुँचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। भारतीयता से जुड़ी शब्दावली पुस्तकों में किस प्रकार विद्यार्थियों तक पहुंचे, इस दिशा में जागृति आवश्यक है। अध्यक्षता करते हुए प्रो अखिलेश कुमार पांडेय, कुलगुरु, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान-विज्ञान परंपरा पर विशेष बल दिया गया है। यह नीति राष्ट्र और समाज को केंद्र में रखकर तैयार की गई है। शब्दों को लेकर विचार मंथन की आवश्यकता है। जो मातृभाषा में लेखन नहीं कर सकते, वे किसी भी अन्य भाषा में श्रेष्ठ लेखन नहीं कर सकते।

रक्तदान सबसे महादान है, इससे बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं-चंदवानी

सीए सप्ताह अंतर्गत मंदसौर शाखा का रक्तदान शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। यदि आपके शरीर के रक्त की एक बूंद भी किसी का जीवन बचाने में काम आती है, तो इससे बढ़कर पुण्य का और कोई कार्य नहीं है। हमारे वेदों में भी रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना गया है। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसकी जान बचाने में उपयोग होगा, यह रक्तदान करते समय आपको भी मालूम नहीं है, और ऐसा दान निश्चित ही सबसे बड़ा दान कहलाता है। मन्दसौर सीए ब्रांच धन्यवाद की पात्र है कि उन्होंने अपने सदस्यों के साथ साथ विद्यार्थियों को भी इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया।

उक्त विचार शासकीय महाविद्यालय मन्दसौर की जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री नरेश चंदवानी ने दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की मन्दसौर ब्रांच द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने बताया कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के 75 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। अपने इस अमृत महोत्सव में इंस्टीट्यूट की समस्त शाखाओं में सीए सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। मन्दसौर ब्रांच भी 25 जून से प्रतिदिन अलग अलग गतिविधियां आयोजित कर सीए सप्ताह को पूरे जोश के साथ मना रही है। इसमें हमारे सदस्यों, उनके परिवारजनों व विद्यार्थियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। भविष्य में भी ब्रांच द्वारा निरन्तर शैक्षणिक व सामाजिक गतिविधियों का संचालन किया जाता रहेगा। शिविर में सीए रोहन सोमानी, सीए नयन जैन, सीए नीतेश भदादा, सीए जय विजयवर्गीय, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, सीए वैभव सोमानी, सीए जिम्मी, सीए कुलदीप पाटीदार, सीए महेश खत्री, विनायक माहेश्वरी, अपर्ण पोरवाल, रोशन माखिजा, नमन कुमावत, दुर्गेश तिवारी, प्रणव दरख आदि ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. सौरभ मंडवारिया का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत सीए विरेन्द्र जैन, सीए राजेश मंडवारिया, सीए विनय अग्रवाल, सीए अंकुश जैन, सीए अंकित नागर, सीए योगेन्द्र जैन, सीए राजेश जैन, सीए आयुष जैन, सीए आशीष जैन, सीए अर्पित मेहता आदि ने किया। संचालन सीए अंकित नागर ने किया। आभार प्रदर्शन सीए विकास भंडारी ने किया।

रक्तदान व शैक्षणिक सामग्री का दान सबसे बड़ा दान होता है-शर्मा

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांवमाली शैक्षणीक सत्र की शुरूआत में लगभग 7 हजार रूप्ये की शैक्षणिक सामग्री कॉपी पेंसील रबर पेन सापनर पानी की बाटल कम्पास तथा चाकलेट, बिस्कुट, रफ रजिस्टर देकर नन्हे मुन्ने बचो का शिक्षा के प्रति लगाव जागृत किया गया। यह विधित हो की विगत 5 वर्षो से कई सामाजिक संगठन कार्यकर्ता लगातार स्वेटर और शैक्षणिक सामग्री का दान करते रहे है। जिससे शाला का विकास हो रहा है नन्हे मुन्ने बच्चे पालकगण जनप्रतिनिधि और विद्यालय परिवार द्वारा विकास मे सहयोग दिया गया।

उसी कड़ी में एसबीआई लाईफ इंशोरेंश के बालागंज निवासी आनन्द भाटी ने पॉच हजार रूपये की शैक्षणीक सामग्री और पानी की दो बड़ी केन शला मे भेट की है। इस असवर पर उन्हौने कहा कि अपने जन्मदिवस के अवसर पर शैक्षणिक सामग्री का दान कर बहुत आनन्द महसुस हो रहा है। इस अवसर पर 1500 रूपये के रफ रजिस्टर और कॉपीया गुप्त दान मे प्राप्त हुई और चाकलेट, बिस्कुट सत्यनारायण सोमानी समाजसेवी द्वारा वितरित किये गये।

इस अवसर पर पुर्व सरपंच हरीवल्लभ शर्मा ने कहा कि आनन्द भाटी जेसै युवा रक्तदान व शैक्षणीक सामग्री का दान कर समाज को नई दिशा दे रहे है। मैदान मे काली चुरी पेड चबुतरे की मरम्मत तथा पेयजल हेतु नल हेडपम्प की सचारू व्यस्था की जायेगी। उपसरपंच प्रतिनिधि भैरूलाल चौहान ने कहा कि बच्चो मन लगाकर पढाई करों अगले कार्यक्रम में प्रथम आने वाले छात्र छात्राओं को पुरूस्कृत किया जायेगा। साईकील घडी बस्ते आदि पारीख सर द्वारा दिये जाने की घोषण पर हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर भाटी परिवार के विजय कुमार भाटीया सुपुत्र स्व. मोंडीरामजी भाटी, प्रकाश भाटी डिगावमांली, पालकसंघ अध्यक्ष श्रीमति रामकन्याबाई सुर्यवंशी, पालकसंघ उपाध्यक्ष हेमन्त सुनार्थी, एसबीआई राघव डबकरा द्वारा भी नन्हे मुन्ने बचो का प्रोत्साहित किया। प्रारंभ मे मॉ सरस्वती के चित्र के पर माल्या अपर्ण कर दिप प्रजवल्लन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अंत में आभार प्राथमिक शिक्षक मनीष पारीख नें माना।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

दलौदा, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन एवं प्राचार्य डॉ . डीसी गुप्ता के मार्गदर्शन में बीए, बीकॉम, बीएससी प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित विद्यार्थियो हेतु एक जुलाई से तीन जुलाई तक दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जा है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय केस्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमंत जी धनोतिया द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियो को संबोधित करेंगे। दिक्षारंभ कार्यक्रम का उद्देश्य नव प्रवेशित विद्यार्थियो को नए परिवेश में सहज महसूस कराने, उनमें संस्थान की विशिष्टप्रकृति तथा संस्कृति को सिखाने, अन्य छात्रों संकाय सदस्यों के साथ परिचय बनाने तथा उन्हें व्यापक उद्देश्य तथा स्वयं की खोज की भावना से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियो को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे एन एस एस, स्वामी करियर मार्गदर्शन योजना, विविध छात्रवृत्ति योजना तथा सांस्कृतिक , साहित्यिक क्रियाकलाप, पाठ्येत्तर क्रियाकलाप , ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तक, स्पोर्टस गतिविधि, महाविद्यालय परिसर इत्यादि जानकारी दी जायेगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञ प्राध्यापको द्वारा मार्गदर्शन दिया जायेगा। यह जानकारी डॉ . ओंकार सिंह रावत ने दी।

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत निक्ष्य मित्र बन पोषण आहार प्रदान किया

दलौदा, 29 जून गुरु एक्सप्रेस।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र दलौदा चौपाटी पर स्वास्थ विभाग द्वारा टीबी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नगरी के सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डा मुकेश कुमावत द्वारा संभावित टीबी मरीज , नए एवम पुराने टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की गई , व आवश्यक उपचार, सलाह प्रदान की गई। इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई गई पोषण आहार सहायता योजना के अंतर्गत विकास वेलफेयर फाउंडेशन दलौदा के भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री विकास सुराणा एवम स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय जनभागीदारी समिती अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया ने निक्ष्य मित्र बन कर 7 टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरण किया गया इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग दलौदा के कर्मचारी एवम नगर के नागरिक गण एवम मरीज उपस्थित रहे।

दशपुर जागृति संगठन का हुआ विस्तार, डॉ. पौराणिक पुन: अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। देश के महान क्रांतिकारी और उनके बलिदान को चिरस्थाई बनाए रखने वाला सैनिकों के सम्मान के लिए समर्पित देश का पहला संगठन मंदसौर शहर भगवान पशुपतिनाथ की नगरी से संचालित संगठन ने कार्य को तेजी लाने के लिए एक बैठक रखकर नगर के प्रबुद्ध जनों का संगठन से जोड़ने का संकल्प लेकर कार्य में और तेजी लाने के लिए विस्तार किया संगठन कार्यालय रोम टावर पर एक वृहत बैठक में निर्णय लिया गया। संगठन के अध्यक्ष पद पर 14 वर्षों से मनोनीत डॉ. देवेंद्र पौराणिक को 3 वर्षों के लिए अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया

संगठन के संरक्षक मदनलाल राठौर, एमपी सिंह परिहार, रमेशचंद्र चंद्रे, दृष्टानंद नैनवानी, डॉ रविंद्र पांडे, सुभाष गुप्ता, डॉ. वेदपाल सिंह, कमलेश दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में हरिशंकर शर्मा, उपाध्यक्ष बी.एस. सिसोदिया, सी.के. विश्नोई, सचिव आशीष बंसल, सहसचिव महेश शर्मा, कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, कोषाध्यक्ष हरिनारायण ट्रेलर, अरुण गौड़, संगठन संयोजक एवं प्रवक्ता सत्येंद्र सिंह सोम, संगठन कार्यक्रम प्रभारी राजाराम तंवर, अजीजुल्ला खान खालिद, बलराम महिला इकाई जिला अध्यक्ष पर डॉ. उर्मिला तोमर, जिला सचिव बिंदु चंद्रे, नगर अध्यक्ष सीमा चौरड़िया, वित्तीय सलाहकार सीए विकास भंडारी, देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुति प्रभारी लोकेंद्र पांडे, नरेंद्र त्रिवेदी, अमित परमार, परामर्शदाता सुनील बंसल, कन्हैयालाल सोनगरा, जयेश नागर, राजेंद्र चास्ता, नरेश त्रिवेदी, प्रचार प्रसार प्रभारी सत्यनारायण सोमानी, विकास बेस, दिलीप सांखला, नवीन सदस्यता प्रभारी मुकेश नागर, डॉ अनिल प्रजापति, सत्यनारायण अग्निहोत्री, एडवोकेट विष्णुदास बैरागी, युवा इकाई संगठन प्रभारी कृष्णपाल सिंह शक्तावत मुंदेड़ी, शैलेंद्रसिंह राठौड, संगठन महिला विंग अर्चना गुप्ता, प्रेमलता मिंडा, उषा कुमावत, श्रीमती उषा कुमावत, आरपीएफ वर्षा बसेर, संगीता मंडोवरा, प्रेमिना गुप्ता पिपलिया मंडी, विद्या कलावत, संगठन के वरिष्ठसदस्य इकाई जितेंद्र जैन, महावीर जैन, पुरुषोत्तम वात्रा, मनोज मंडोवरा, मनोज भटनागर, संदीप भटनागर, आशीष नलवाया, सुरेंद्र नलवाया, अशोक शक्तावत, हरीश कुमावत, कमल कोठारी, श्याम कहार, केशवराव शिंदे, सुरेश गुप्ता, शत्रुंजय सोनी को नियुक्त किया गया। संगठन के नगर की समस्याओं पर कार्य करने के लिए एडवोकेट सत्येंद्र सिंह सोम को नियुक्त किया गया। संगठन के कार्यों के विस्तार के साथ ही संगठन को क्रांतिकारी नगरी बनाने का संकल्प लेकर संगठन लगातार कार्य कर रहा है। उसी के साथ प्रत्येक स्कूल में क्रांतिकारियों को पहुंचाने का संकल्प हर कार्यालय में क्रांतिकारी तस्वीर का अभियान चलाएगा भ्रष्टाचारियों के लिए पोस्टकार्ड अभियान भी संगठन चलाएगा। संगठन ने जो संकल्प लिया है कि एक आधार कार्ड एक संपत्ति उस पर तेजी से कार्य करेगा। यह जानकारी संगठन के प्रवक्ता सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा दी गई।

जमीन मामलों में पटवारियों पर लगे मिलीभगत व रिश्वत के आरोप

पिपलियामंडी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। तहसील के दो पटवारी पर जमीनों के मामलों में मिलीभगत व रिश्वत के आरोप लगे। एक पटवारी द्वारा किसान से रिश्वत की मांग करने की मोबाइल पर हुई बातचीत की आडियो काल रिकार्डिग भी सोशल मीडिया पर वायरल है। जबकि पटवारियों ने आरोप को गलत बताया है। इधर तहसीलदार ने मामले में जांच के आदेश दिए है। जान्याखेड़ी निवासी किसान गिरधारीलाल पिता नन्दा बागरी ने तहसीलदार को की शिकायत में आरोप लगाया कि नामान्तरण में संशोधन नाम हटवाने व नवीन पावती बनवाने के लिए मोजा पटवारी नन्दलाल रेटवा ने 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी, रिश्वत देने के बाद भी मेरा काम न ही किया जा रहा है और रिश्वत राशि मांगने पर वापस भी नही दी जा रही है। पटवारी द्वारा किसान से रिश्वत की मांग करने की बातचीत का आडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इधर सोकडी निवासी बलवन्तसिंह पिता भंवरलाल व लीलाबाई पिता भंवरलाल ने कलेक्टर को दी शिकायत में बताया कि पिपलियापंथ में सर्वे नम्बर 127 पर 0.33 आरी जमीन में हम दोनों के अलावा कमलाबाई बेवा भंवरलाल, राहुल पिता गोपी, भागवन्तीबाई पति दोलतराम, मदनलाल पिता भंवरलाल, कपिल पिता गोपी, साबूबाई पति लालसिंह का नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। जिसका बंटवारा भी नही हुआ है। लेकिन मोजा पटवारी ओमप्रकाश पाटीदार से मिलीभगत कर साबूबाई ने 0.05 आरी जमीन राहुल पिता गोपी को विक्रय करवा दी वहीं राहुल ने उक्त जमीन आक्या निवासी हेमन्तसिंह को विक्रय कर दी। पटवारी से मिलकर नामान्तरण की कार्रवाई भी की गई।

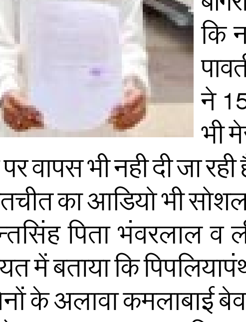

आरोप गलत, नही ली रिश्वत:- जान्याखेड़ी के पटवारी नन्दलाल रेटवा का कहना है आरोप लगत है, मैंने 15 हजार रुपए नही लिए। जब रिश्वत की बातचीत के ऑडियो के संबंध में पटवारी से बात की तो उन्होंने कहा यह गलत है, मैंने रुपए नही मांगें। पिपलियापंथ की जमीन के मामले में पिपलियामंडी पटवारी ओमप्रकाश पाटीदार का कहना है, आरोप गलत है, शिकायतकर्ता व उनके परिवार के आपस का मामला है, बेचने व खरीदने वाले आपस में लड़ रहे है, इसमें मैं क्या कर सकता हूं।

जांच कराएंगे:- तहसीलदार ब्रजेश मालवीया का कहना है जान्याखेड़ी वाले मामले में शिकायत मिलने पर पटवारी को नोटिस जारी किया है, वहीं पिपलियामंडी वाला मामला मेरी संज्ञान में आया है, इसकी भी जांच कराएंगे।

महिला को मारी टक्कर, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। महिला को टक्कर मारने वाले स्कूटी सवार के खिलाफ केस दर्ज हुआ। पिपलियामंडी बिजली ऑफिस के पास निवासरत कृष्णाबाई बागरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गायत्री शक्ति के पास स्कूटी एमपी 14 जेडसी 6050 के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी, जिससे मेरे सिर, हाथ, पीठ पर चोंट आई। पुलिस ने स्कूटी सवार के खिलाफ केस दर्ज किया।

सादिक गोरी विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय मंदसौर हेतु विधायक प्रतिनिधि के रूप में श्री सादिक गोरी को नियुक्त किया गया है। विधायक श्री जैन ने अपने कार्यालय पर सादिक गोरी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। विधायक प्रतिनिधि श्री सादिक गोरी विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं, कार्यों हेतु समय-समय पर संवाद करेंगे। विधायक श्री जैन ने इस बाबत आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी को पत्र भी प्रेषित किया है। श्री सादिक गोरी के विधायक प्रतिनिधि नियुक्ति होने पर इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है।

क्या आप जानते है...

यदि आपकी जन्मकुंडली में सप्तम भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टिहो तो...

✻ आपकी पत्नी बहुत ही संस्कारी एवं सुन्दर होगी।
✻ आपकी पत्नी विद्वान, तर्क करने वाली होगी।
✻ आपकी शादी या तो बहुत जल्दी हो जाएगी या सामान्य आयु से देरी से होगी।
✻ वैवाहिक जीवन के प्रति एक निश्चित आयु के बाद आपके अंदर वैराग्य भाव आएगा।

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	25	2300	2414
उडद	3	6500	7001
सोयाबीन	4210	3000	4600
गैहु	3500	2550	3310
चना	386	5201	6480
मसुर	154	5715	6140
धनिया	134	4900	6640
लहसुन	12000	5500	23500
मैथी	510	5000	6500
अलसी	642	5441	6150
सरसो	230	4802	5437
तारामीरा	1	4480	4480
इसबगोल	70	10500	13500
प्याज	2419	601	2700
कलोंजी	1	17899	18901
डॉलर	18	5100	8801
तिल्ली	77	9901	12201
मटरसुखी	6	4300	4892
असालीया	12	14080	14301

पवित्र अमरनाथ यात्रा आज से शुरू, 4,029 यात्रियों का दूसरा जत्था जम्मू से रवाना, भारी सुरक्षा बल तैनात

जम्मू, 29 जून। पवित्र अमरनाथ यात्रा आज यानी 29 जून से शुरू हो चुकी हैं। भारी सुरक्षा के बीच तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 4,029 यात्रियों का दूसरा जत्था 200 वाहनों के दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, इनमें से 1,850 यात्री सुबह 4 बजे 104 वाहनों में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जबकि 2,179 यात्री 96 वाहनों में सवार होकर सुबह 4।30 बजे पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुए।

अधिकारियों ने बताया, दोनों काफिलों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। 52 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा आज से शुरू हो चुकी है और यह 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम रूट से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट से यात्रा करते हैं।पहलगाम मार्ग से जाने वालों को मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने वाले लोग दर्शन के बाद उसी दिन वापस लौट आते हैं। यह मंदिर समुद्र तल से 3,888 मीटर की उंचाई पर स्थित है और इसमें बर्फ से बना एक शिवलिंग है। भक्तों का मानना है कि यह शिवलिंग भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। इस साल यात्रा को सुचारू और किसी भी दुर्घटना से बचाने के लिए दोनों आधार शिविरों और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। दोनों मार्गों के साथ-साथ पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से ज्यादा लंगर लगाए गए हैं। इस साल की यात्रा के दौरान 7,000 से ज्यादा सेवादार (स्वयंसेवक) तीर्थयात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

महिला को पीटा, मां-बेटे पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने मां-बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया। कनघट्टी निवासी राधाबाई पति प्यारचंद गायरी ने पिपलियामंडी थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं अपने पति व बेटे विशाल तीनों घर से प्लाट पर पट्टियां डलवा रहे थे, इसी दौरान सदाबाई बेवा घनश्याम गायरी उसका बेटा महेश आए और बोले कि यह प्लाट हमारा है, तुम पट्टियां मत डलवाओ। इसके बाद सदाबाई व महेश ने गाली-गलौज की व पत्थर, लकड़ी, फावडे मुझे पीटा, जिससे मेरे चोंट आई। बीच-बचाव करने आए मेरे पति व बेटे के साथ भी झूमाझटकी की। पुलिस ने मां-बेटे पर केस दर्ज किया।

नर्सिंग घोटाला एवं नीट पेपर लीक घोटालों को लेकर...

कांग्रेस का प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम कल

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में सरकार की सह पर शिक्षा माफियाओं द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ किये जा रहे खिलवाड और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहे घोटालों, प्रदेश में हुये नर्सिंग घोटाले और नीट पेपर लीक घोटालों के विरोध में प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के आव्हान पर 01 जुलाई 2024 को प्रदेश भर में जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों द्वारा जिला स्तरीय प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में मंदसौर में गांधी चौराहा पर 1 जुलाई सोमवार को प्रात: 11 बजे प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री का पुतला जलाया जायेगा। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर, पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पुष्पा भारतीय, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, विधानसभा प्रत्याशी राकेश पाटीदार, परशुराम सिसोदिया, महेंद्रसिंह गुर्जर सहित वरिष्ठ नेतागण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

यह जानकारी देते हुए शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश में लगातार शिक्षा माफियाओं द्वारा किये जा रहे शिक्षा घोटालों से सत्तारूढ प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदर्शन एवं पुतला दहन कर चिकित्सा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुये कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जायेगा। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने जिला/शहर कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन, पूर्व विधायक, मोर्चा संगठन सेवादल, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और भाराछा संगठन, विभाग, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, मंडलम / सेक्टर अध्यक्षगण, स्थानीय संस्थाओं के कांग्रेस पक्ष के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने की अपील की है।

भाजपा संगठन में युवाओं के साथ अनुभव को देगी तरजीह, अगले महीने में हो सकता है मंडल अध्यक्ष का चुनाव

भोपाल, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। भाजपा संगठन में अब चुनाव की हलचल आरंभ हो गई है। संभावना है कि जुलाई महीने में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर भाजपा अपने संगठन चुनाव की प्रक्रिया आरंभ कर सकती है। प्रक्रिया शुरू होने में भले ही अभी समय हो, लेकिन मंडल स्तर पर इसकी चर्चा और जमावट का खेल अभी से शुरू हो गया है।

पिछले संगठन चुनाव में भाजपा ने पीढ़ी परिवर्तन का संकल्प पूरा किया था। इस कारण लगभग 35 वर्ष की औसत आयु वाले ही मंडल अध्यक्ष बन पाए थे। इनमें से कुछ तो भाजपा के लिए बेहद उपयोगी रहे और कुछ को राजनीतिक अनुभव ना होने से चुनाव में पार्टी को संकट भी झेलना पड़ा।

युवा व अनुभव का समायोजन चाहती है भाजपा–भाजपा अब पांच साल बाद हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम को देखते हुए उम्र बंधन के बजाए मिला-जुला प्रयोग करना चाहती है। पार्टी चाहती है कि अब संगठन चुनाव में युवा और बुजुर्ग, लेकिन अनुभवी का समन्वय के साथ समायोजन किया जाए।

2020 में दिया था पीढ़ी परिवर्तन का नारा–दरअसल, भारतीय जनता पार्टी ने 1990 के बाद 2020 में पीढ़ी परिवर्तन की शुरूआत की थी। पार्टी ने युवाओं को तो जोड लिया, लेकिन पुराने चेहरों को लेकर असमंजस में है। युवाओं को मौका देने के बाद अब पुराने दिग्गजों का समायोजन पार्टी के लिए चुनौती बना हुआ है।

परिवारवाद की उपेक्षा से दिग्गज परेशान–पार्टी का अब तक का अनुभव अच्छा भी रहा और कुछ जगह पुराने नेताओं के सामने नए नेतृत्व को काम करने में व्यावहारिक रूप से मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा। दूसरी परेशानी ये भी है कि युवाओं को कमान देने से परिवारवाद की उपेक्षा से भी कई दिग्गज परेशान हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद से समन्वय की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। आने वाले संगठन चुनाव में उनके समर्थकों को भी जिले की कार्यकारिणी में अवसर देना भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी का कारण बन सकता है। इसे भांपते हुए संगठन हर कदम फूंक-फूंक कर रख रहा है।

मौजूदा नेतृत्व कर चुका 60 की सीमा पार–मौजूदा नेतृत्व चाहे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल हों, सभी साठ की उम्र पार कर चुके हैं। पूर्व सीएम उमा भारती से लेकर मोहन कैबिनेट के ज्यादातर सदस्य पार्टी में 30 से 35 साल की उम्र में सक्रिय हुए थे। पार्टी ने सरकार में मोहन यादव का नया चेहरा तो दे दिया, लेकिन संकट यह है कि युवाओं में नया नेतृत्व प्रदेश में पनप नहीं रहा है। पार्टी ने नए नेतृत्व के लिए संगठन में पीढ़ी परिवर्तन तो कर लिया, लेकिन चुनावी राजनीति में वटवृक्षों के चलते पार्टी नई पीढ़ी को आगे नहीं ला पाई। पार्टी चाहती है कि संगठन चुनाव में उम्र सीमा पर पार्टी शिथिलता तो बरते, लेकिन भविष्य के लिए युवाओं की टीम भी तैयार की जाए। दोनों पीढ़ी के साथ सुतंलन बनाया जाए।

कमलनाथ सरकार में बिना निरीक्षण, अवलोकन के नर्सिंग कॉलेजों को दी गई थी मान्यता-सिसौदिया

भोपाल, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने नर्सिंग मामले को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार जिस प्रकार से मुद्दों को उठाकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, उन मामलों में कांग्रेस की स्वयं संलिप्तता रही है। नर्सिंग घोटाला भी कांग्रेस की ही देन है। कमलनाथ सरकार में बिना निरीक्षण, अवलोकन के नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दे दी गई। घोटाले करना ही कांग्रेस का चाल और चरित्र रहा है।

प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि 1 जुलाई को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूरे प्रदेश में आंदोलन करने और धरना-प्रदर्शन करने की बात कही है। विधानसभा का सत्र भी 1 जुलाई से शुरू होने वाला है और कांग्रेस विरोध करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी में ज्ञान का अभाव है और वह अज्ञानी है। वह तथ्यों को सोचते समझते नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सरकार में जीतू पटवारी उच्च शिक्षा एवं श्रीमती विजयलक्ष्मी साधौ चिकित्सा शिक्षा मंत्री थीं। कमलनाथ सरकार में नर्सिंग घोटाला हुआ और स्वयं कमलनाथ भी कटघरे में हैं। जीतू पटवारी एक तीर से दो निशाना लगा रहे हैं। जीतू पटवारी कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

455 में से 453 कॉलेजों को कैसे दे दी गई मान्यता–प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ के कार्यकाल के दौरान बिना निरीक्षण व अवलोकन के 455 में से 453 कॉलेजों को मान्यता प्रदान की है। जिन 453 कालेजों को मान्यता कांग्रेस शासनकाल में मिली है उनमें 407 नर्सिंग कॉलेजों को तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ ने मान्यता दिलायी। यह बड़ा सवाल है कि क्या इतने कॉलेज मापदंडों में खरा उतर रहे थे?। कांग्रेस सरकार नर्सिंग कॉलेजों को अनुमतियां प्रदान करने में जुटी थीं। इसका जवाब कांग्रेस को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार के कार्यकाल के दौरान जब पूरे देश में कोरोना जैसी महामारी फैली थी, उस समय उनका ध्यान आईफा अवार्ड की तरफ था। कांग्रेस को किसानों की कर्जमाफी की बिलकुल भी चिंता नहीं थी, जिसके कारण किसान डिफाल्टर हो गए।

क्या कांग्रेस का आंदोलन कमलनाथ व डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ के खिलाफ भी होगा–प्रदेश प्रवक्ता श्री सिसौदिया ने कहा कि जीतू पटवारी जिस प्रकार से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने की बात कर रहे हैं तो क्या कांग्रेस का आंदोलन उनके पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं डॉ. विजयलक्ष्यमी साधौ के खिलाफ भी होगा।

नंदावता में 37 लाख की लागत से निर्मित गौशाला का विधायक जैन ने किया लोकार्पण

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा में विकास हेतु सतत् प्रयत्नशील जागरूक विधायक विपिन जैन ने आज 29 जून को ग्राम पंचायत नंदावता में जैन दिवाकर गुरु कमलमुनि गौशाला का लोकार्पण किया। राज्य सरकार द्वारा इस गौशाला के निर्माण हेतु 37 लाख रू. स्वीकृत हुए थे। जिसका निर्माण पूर्ण होकर आज उसका लोकार्पण विधायक श्री जैन के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री जैन ने कहा कि गौ सेवा परमो धर्म सनातन धर्म में गाय को मां कहा गया है गौमाता का संरक्षण हम सब का दायित्व हे श्र गौर तलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सरकार में गौशालाओं हेतु कई योजनाएं बनाई गई थी उसी के अंतर्गत इस गौशाला का निर्माण आज पूर्ण हुआ है। मुझे आशा है कि यहां गौमाता की अच्छी देख रेख होगी।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, मनोज जेन, सरपंच शंकरलाल मालवीय, उपसरपंच हरिओम पाटीदार, बापूलाल आंजना, आशीष चौरड़िया, जगदीश सोनावत, गौशाला सचिव बसंतीलाल विश्वकर्मा, मनोहर नाहटा, संजय सनीमहाराज, अमित खटोड़, धन्नु चौरड़िया, रमेश जोशी, रामेश्वर मालवीय, प्यारचंद धनगर, धर्मेन्द्र शर्मा, डॉ. अजीत जैन, अर्पित भण्डारी, नागेश्वर करनाखेड़ी, गजेन्द्र जैन, नागुलाल लोहार, महेश, दशरथ, बालाराम पाटीदार, राजेश जैन, महेन्द्र जैन, सुनील दक, राजमल गांधी, मांगीलाल भील, हीरालाल आंजना, परमेश्वर आंजना आदि उपस्थित थे। संचालन बगदीराम पाटीदार ने किया व आभार रमेश जोशी ने माना। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने दी।

काका को धमकी, भतीजे पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। भतीजे ने काका को जान से मारने की धमकी दी, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। मल्हारगढ़ गांधी चोराहा निवासी कैलाश पिता बद्रीलाल फरक्या ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि 5 भाई शामलाती रहते है, घर जाने का एक ही रास्ता है, मेरे बड़े भाई शांतिलाल के बेटे गोपाल ने मेरे कमरे की बाहर से सांकल लगा दी, मैंने खोलने की बोला तो गोपाल ने दरवाजा खोल गाली-गलौज की व कहा कि मेरी दुकान से क्यों निकलता है, गोपाल ने कहा कि अगर मुझे परेशान किया तो जान से मार दूंगा। पुलिस ने गोपाल पर केस दर्ज किया।

उपभोक्ता अपनी समस्याओं के प्रति सदैव सचेत रहें-शुक्ला

विश्व मोहन अग्रवाल को अभा उपभोक्ता उत्थान संगठन का जिलाध्यक्ष बनाया

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन भारत सरकार विधि कंपनी मामले मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिशंकर शुक्ल ने उज्जैन संभाग के अपनी तीन दिवसीय दौरे के दौरान मंदसौर में आयोजित उपभोक्ता जागरूकता कार्यशाला में आम उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वह अपनी समस्याओं के प्रति सदैव सचेत रहे तथा कोई भी वस्तु खरीदने से पहले उसका बिल तथा रसीद जरूर लें।

श्री शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय में आम उपभोक्ता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है, व कहीं ना कहीं ऑनलाइन खरीदी के दौरान ठगी का शिकार होता है। उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सूरी ने भी उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के बारे में बताया, संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम भारद्वाज ने वर्तमान समय में खाद्य पदार्थों में मिलावट के बारे में तथा उनसे बचाव के बारे में जानकारी दी, तथा उपभोक्ता न्यायालय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मंदसौर जिलाध्यक्ष विश्वमोहन अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शुक्ल ने जो जवाबदारी दी है उसे बखूबी निभाने का प्रयास किया जाएगा व उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा तथा जल्द ही मंदसौर नगर व ग्रामीण की कार्यकारिणी का गठन किया जाकर संगठन को मजबूत किया जाएगा महिला विग की जिलाध्यक्ष पार्षद गरिमा भाटी ने भी उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के बारे में बताया। कार्यक्रम में संगठन के आगर जिलाध्यक्ष संतोष शर्मा, रतलाम जिलाध्यक्ष बद्रीलाल पांचाल, पूर्व जिलाध्यक्ष चेतन भावसार, बाल कल्याण समिति सदस्य वरिष्ठएडवोकेट उमराव सिंह जैन, गोपाल पसारी, सुनील योगी, सुभाष गंगवाल, देवेंद्र शर्मा, ब्रजेश जाट, नितिन सोनी, सुनील सिखवाल, मनीष पारीक, मोहित पालीवाल, अक्षत जैन, उदय, लक्ष्य, केशव सोनी, मंगलेश सूर्यवंशी संजीत, प्रभुलाल रतलाम सहित रिंकू शुक्ला, मेजर उषा कुमावत, श्रीमती मीना सिंह चौहान, श्रीमती रेखा ट्रेलर, श्रीमती तरुणा सोनी, श्रीमती ललिता सोनी, श्रीमती गिरजा कुमावत, श्रीमती पूर्णिमा नितिन सोनी बड़ी संख्या में आम उपभोक्ता तथा मीडिया के साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम खत्री तथा आभार रविशंकर अग्रवाल ने माना।

डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत करें आवेदन

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कार्यपालन अधिकारी अ.स.वि.स. मंदसौर ने बताया कि डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 18 वर्ष से 55 वर्ष की आयु वर्ग के अशिक्षित बेरोजगार युवक/युवतीयों को स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करने हेतु इकाई लागत रु. 10000 हजार से रू 1 लाख तक का ऋण बैकों के माध्यम से वितरीत किये जायेगें। जिस पर 07 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 05 वर्षो तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) नियमित रूप से ऋण भुगतान (निर्धारित समय एंव राशि) की शर्त पर निगम द्वारा दिया जायेगा। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी। आवेदन पत्र ऑनलाइन वेबसाईट – http://samast.mponline.gov.in पर भरे जा सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. मन्दसौर संजय गांधी उद्यान के पास तथा दुरभाष क्र. 07422-241558 व 9584525557 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

बसन्तीलाल हरसोला 81 साल की उम्र में भी कसरत व झूलें का आंनद लेते हैं

बरसों से जातें हैं शाम को पैदल घूमने व प्रात:काल आरएसएस की शाखा में

भानपुरा, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। मन चंगा तो कचोटी में गंगा व ,, मन के हारे हार है, मन के जीते जीत ,, ये मुहावरे 81 वर्षीय जैन समाज के समाज सेवी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता भानपुरा निवासी बुजुर्ग बसंतीलाल हरसोला पर शत प्रतिशत लागू होतें है। सामाजिक एवं धार्मिक सेवाओं के साथ-साथ संघ की शाखा में भी पूरे उत्साह के साथ श्री हरसोला नियमित रूपसे जाकर राष्ट्रभक्ति के साथ खेलकूद व्यायाम में हर संभव बढ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। यही नहीं नगर के एकमात्र नगर परिषद भानपुरा के रेवा गार्डन में जाकर ओपन जिम में लगे व्यायाम की मशीनों में कसरत करते हैं एवं झूले पर एक नन्हे बालक के उत्साह की तरह झूला लेकर हर संभव रूप से स्वस्थ रहने के प्रति उत्साहित रहते हैं। कई लोग 55 या 60 साल की उम्र के बाद जहां मानसिक तनाव तथा अत्यधिक बुजुर्ग अवस्था का व पारिवारिक समस्याओं का रोना रोते देखें जातें हैं, वही 81 वर्ष की उम्र में भी कसरत व्यायाम योग एवं नियमित रूप से प्रतिदिन समाचार पत्रों को कई वर्षों से मन लगाकर पढ़ते हुए देश व दुनिया की जानकारी रखतें हैं, मंदिर के धार्मिक आयोजनों में बढ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। नियमित दिगंबर जैन मंदिर में प्रात: काल श्रीजी का अभिषेक एवं पूजन नित्य क्रिया में शामिल है किसी बजुर्ग को जीवन के आखिरी समय तक स्वस्थ एवं उत्साह पूर्वक जीवन जीने के लिए काफी मददगार होती है। निश्चित रूप से नगर भानपुरा के 81 वर्षीय बुजुर्ग श्री बसंती लाल हरसोला से उनके स्वस्थ्य जीवन का अनुसरण कर अपने जीवन को आनंद पूर्वक जीना चाहिए।

नाममात्र की पेंशन से नहीं हो रहा दिव्यांगों का गुजारा, पेंशन 3000 रू. की जाए

सक्षम संगठन ने ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से की मांग

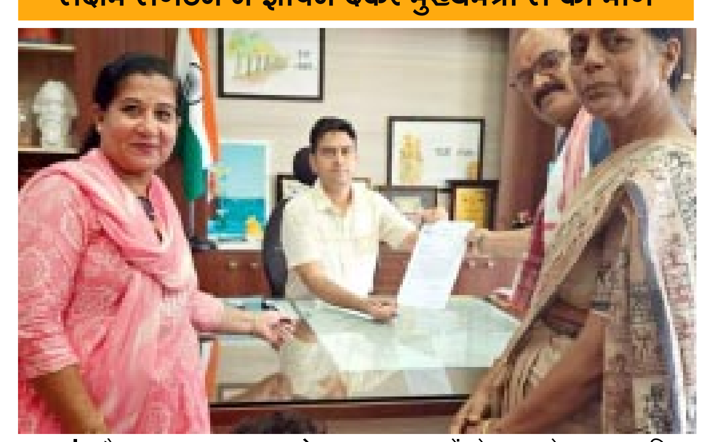

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। दिव्यांगों के हित में कार्य करने वाले राष्ट्रीय संगठन समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) जिला इकाई द्वारा दिव्यांगों की समस्याओं के निराकरण हेतु राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है इसी तारतम्य में जिला इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्यागों की पेंशन बढ़ाने को लेकर जिला मंदसौर ने जिलाधीश को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन दिया गया।

सक्षम संगठन के मालवा प्रांत सचिव रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि आज कि महँगाई के युग में दिव्यांगों को मिलने वाली 600 रुपये की पेंशन की राशि अत्यंत कम हैं प्रतिदिन के मान से 20 रुपये की राशि से दिव्यांगजनों को जीवन यापन करने में अत्याधिक कठिनाई हो रही है अत: दिव्यांग बंधुओं की आवाज सरकार तक पहुंचाकर उनकी पेंशन राशि 600 से बढ़ाकर 3000 रुपए करने का शासन से अनुरोध सक्षम संस्था मालवा प्रांत मंदसौर द्वारा किया जा रहा है आशा है शासन शीघ्र ही दिव्यागों की समस्याओं का निराकरण करेगा। ज्ञापन देने वालों में सक्षम संस्था के मालवा प्रांत सचिव रविन्द्र पाण्डेय, जिलाध्यक्ष श्रीमती अलका अग्रवाल, जिला सचिव श्रीमती निवेदिता नाहर, जिला कोषाध्यक्ष के जी उपाध्याय, मीना चौहान, दिव्यांगजन जितेंद्र सिंह सिसोदिया, निलुकुवंर, निलेश माली, जाफर आदि उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन में 7 करोड़ 28 लाख रुपए की गौशाला की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशन और एसडीएम मल्हारगढ़ श्री राहुल चौहान के मार्गदर्शन में तहसीलदार मल्हारगढ़ श्री ब्रजेश मालवीय द्वारा ग्राम टकरावद तहसील मल्हारगढ़ स्थित 135 बीघा गौशाला और चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया एवं चारो और खाई लगवाई गई। अतिक्रमण मुक्त की गई शासकीय गौचर की भूमि की कीमत लगभग 7 करोड़ 28 लाख रुपए है। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री सुनील अग्रवाल, प्रशासन एवं पुलिस दल द्वारा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

लेखा समाधान की बैठक आज –कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि लेखा समाधान की बैठक आयोजित की गई है। बैठक 30 जून को दोपहर 12बजे जिला पंचायत मंदसौर में आयोजित की गई है। व्यय लेखे को प्रस्तुत करने की अंतिम तारिख से पहले सभी अभ्यर्थियों/ निर्वाचन एजेंटो के लिए एक दिवसीय फेशिटिलेशन कार्यक्रम का 27 जून 2024 को जिला पंचायत के सभागृह मंदसौर में दोपहर 12 बजे आयोजन किया गया।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दोनों...

पेज 1 से जारी

कर रहा था, इसी दौरान उंकारलाल पिता चुन्नीलाल बावरी, प्रहलाद पिता जगदीश बावरी, बबलू पिता उंकार बावरी, गोपाल पिता बंशीलाल बावरी, दिनेश पिता छगनलाल बावरी ने एक मत होकर पत्थर, लकड़ी से मारपीट की। जिससे सिर पर चोंट आई। पुलिस ने मारपीट करने वाले पांचों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

भाजपा सांसदों को मिला टास्क....

अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र से लाएं बजट

भोपाल, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के नवनिर्वाचित 29 सांसदों को लक्ष्य सौंपा गया है कि वे अपने-अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार से बजट लाएं और अपने संसदीय क्षेत्र को आदर्श संसदीय क्षेत्र बनाएं। सांसदों को प्रदेश के सभी विभागों की योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे संसद में प्रदेश के मुद्दों को अच्छे से उठा सकें। सांसद संसद में मध्य प्रदेश के मुद्दों पर चर्चा के लिए शासन की योजनाओं का अध्ययन कर रहे हैं। इसके लिए सभी विभागों ने सांसदों को अपने-अपने विभाग की जानकारी उपलब्ध कराई है। इनमें केंद्र की योजनाओं में उपलब्ध बजट की वस्तुस्थिति भी बताई है।

मध्य प्रदेश में संचालित योजनाओं और प्रदेश की भौगोलिक स्थिति की एक बुकलेट भी सांसदों को दी जाएगी, जिसे पढ़कर वे मध्य प्रदेश के प्रमुख मुद्दों को समझकर संसद में उठा सकेंगे और विपक्ष के आरोपों का जवाब भी दे सकेंगे। सांसद अपने क्षेत्र को आदर्श संसदीय क्षेत्र बनाने के लिए जनता से सुझाव भी लेंगे। इधर, विधायकों से भी कहा गया है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा बनाने के लिए आगामी वर्षों में क्या करेंगे, इसकी रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करें।

सांसद, विधायक और मंत्रियों को भाजपा भी देगी प्रशिक्षण–मध्य प्रदेश के सांसद, विधायक और मंत्रियों को भारतीय जनता पार्टी प्रशिक्षण देगी। इसके लिए जल्द ही प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इनमें पार्टी के पक्ष में सरकार की योजनाओं के माध्यम से जनता के बीच जनाधार मजबूत करने के गुर भी बताएं जाएंगे।

सांसद व विधायक तैयार करें पांच साल का रोडमैप–मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही कह चुके हैं कि सांसद, विधायक अपने जिलों में पांच साल का रोडमैप तैयार कर विकास कार्य करें। इसके लिए जनप्रतिनिधि जनता से भी सुझाव लेंगे कि क्षेत्र में क्या-क्या समस्याएं और उन्हें दूर करने के लिए क्या किया जा सकता है। इस कार्य में प्रशासनिक अमला जनप्रतिनिधियों की मदद करेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in